AMAR UJALA PAGE 3

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से होगी अभ्यर्थियों की पहचान

बीएड प्रवेश परीक्षा : वास्तविक अभ्यर्थी की जगह कोई और नहीं दे सकेगा परीक्षा

आयोजनकर्ता लखनऊ विवि ने कहा- तैयारियां पूरी, तय समय पर ही होगी परीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

4,31,904
अभ्यर्थी देंगे परीक्षा
■ 73 जिलों में बनाए 1089 परीक्षा केंद्र

लखनऊ। प्रदेश में 9 अगस्त को प्रस्तावित बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थियों की पहचान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एई) का प्रयोग किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर वॉयस रिकॉर्डिंग वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। उधर, प्रवेश परीक्षा स्थगित करने की मांग पर लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्पष्ट कर दिया है कि परीक्षा की तैयारियां हो चुकी हैं और परीक्षा शिड्यूल के अनुसार ही होगी।

पहले हुई प्रवेश परीक्षा में अक्सर अभ्यर्थी के स्थान पर किसी दूसरे के बैठने की शिकायत मिलती रही है। इसे रोकने के लिए लखनऊ विवि ने कई खास कदम उठाए हैं। इसके लिए प्रत्येक अभ्यर्थी के चेहरों के कुल 27 स्थानों की सूचनाओं को डिजिटल डाटा में बदलकर एई के जरिये जांच की जाएगी। इसमें अभ्यर्थी की 13 विशिष्ट व व्यक्तिगत विशेषताओं जैसे बाल, चश्मा, आयु, लिंग आदि को सम्मिलित किया जाएगा। इससे कोई भी गलत व्यक्ति वास्तविक अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकेगा।

पूरी प्रवेश परीक्षा की होगी वेब कास्टिंग : लखनऊ विवि के कुलपति व बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के चेयरमैन प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर राउटर लगाकर पूरी परीक्षा की वेब कास्टिंग की जाएगी। इसके लिए लखनऊ विवि में एक नियंत्रण कक्ष बनाया गया है, जहां से प्रत्येक परीक्षार्थी पर नजर रखी जाएगी। वहीं, परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षार्थी की पहचान के लिए अंगुलियों के निशान लिए जाएंगे। जिसका मिलान आवेदन करते वक्त दिए गए अंगुलियों के निशान से किया जाएगा। परीक्षा केंद्र पर अंगुलियों के निशान लेने के लिए डिस्पोजेबल स्ट्रिप की व्यवस्था की गई है।

परीक्षा से एक दिन पहले सैनिटाइज होगा केंद्र : प्रो. राय ने बताया कि कोरोना संक्रमण से बचाव और परीक्षार्थियों के स्वास्थ्य के मद्देनजर परीक्षा से एक दिन पहले सभी केंद्रों को सैनिटाइज कराया जाएगा। वहीं, परीक्षा के दिन प्रत्येक परीक्षार्थी, कक्ष निरीक्षक और परीक्षा से जुड़े से सभी लोगों की थर्मल स्कैनिंग की जाएगी। परीक्षा केंद्र में मास्क लगाकर आने वाले को ही प्रवेश की अनुमति होगी। परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के लिए सैनिटाइजर, हैंडवाश की व्यवस्था भी की गई है। प्रो. राय ने बताया कि अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा।

बीएड प्रवेश परीक्षा व एमईटी के दौरान होंगे सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध

लखनऊ। प्रदेश में शनिवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर की प्रवेश परीक्षा (एमईटी-2020) और रविवार को बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम होंगे। डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने कोविड-19 को लेकर जारी गाइडलाइन का अनुपालन करते हुए पुलिस कप्तानों को समुचित पुलिस प्रबंध करने और परीक्षा के दौरान शांति व यातायात व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। ब्यूरो

HINDUSTAN PAGE 6

बीएड प्रवेश परीक्षा

- प्रदेश के 1089 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी परीक्षा
- चार लाख 31 हजार अभ्यर्थियों ने किया है आवेदन

फेस डिटेक्टर से धरे जाएंगे फर्जी परीक्षार्थी

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

35 हजार परीक्षार्थी देंगे लखनऊ में परीक्षा

82 परीक्षा केन्द्र शहर में बनाए गए हैं

कोरोना संक्रमण के खौफ से शिक्षक संगठन एक तरफ बीएड प्रवेश परीक्षा का विरोध कर रहे हैं। दूसरी ओर लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन परीक्षा की तैयारियों में जुटा है।

परीक्षा में फर्जी परीक्षार्थियों को रोकने के लिए प्रशासन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 'एआई' तकनीक का इस्तेमाल करेगा। सभी परीक्षा केन्द्रों पर एआई आधारित फेस डिटेक्शन सिस्टम लगवाए जाएंगे। इससे कोई फर्जी परीक्षार्थी केन्द्र के अंदर नहीं जा पाएगा।

विवि प्रशासन के अनुसार एआई तकनीक अभ्यर्थी के चेहरे की कुल 27 जगहों की सूचनाओं को एकत्र करके उसको डिजिटल डाटा में बदलेगी, फिर फोर डाइमेंशन में चेहरे की जांच करेगी। इसमें अभ्यर्थी के बाल, चश्मा, आयु, लिंग आदि के जरिए उसका मिलान किया जाएगा। परीक्षा के समय प्रत्येक अभ्यर्थी की पहचान के लिए डिस्पोजेबल स्ट्रिप से उसकी उंगुलियों के निशान भी लिए जाएंगे।

100 लैपटॉप रखेंगे परीक्षा पर नजर: कुलपति व चेयरमैन प्रो. आलोक राय ने बताया कि 9 अगस्त, रविवार को आयोजित होने वाली बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा में प्रदेश भर में 14 नोडल सेंटर, चार उपनोडल सेंटर बनाए गए हैं। परीक्षा के लिए प्रदेश के 73 जनपदों में 1089 परीक्षा केन्द्रों बनाए गए हैं। इसमें 431904 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

परीक्षा दो पालियों में होगी। प्रथम पाली में सुबह 9 बजे से 12 बजे तक व दूसरी पाली दोपहर में 2 बजे से 5 तक परीक्षा होगी। नकल रोकने के लिए हर केन्द्र पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो आडियो रिकॉर्डिंग भी करेंगे। परीक्षा की वेब-कास्टिंग की जाएगी। इसकी मॉनिटरिंग के लिए लविवि में 100 लैपटॉप युक्त एक कंट्रोल रूम बनाया गया है।

परीक्षाओं के लिए पुलिस प्रबंध करने के निर्देश

लखनऊ। डीजीपी एससी अवस्थी ने 9 अगस्त (रविवार) को लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से कराई जाने वाली संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2020 तथा 8 अगस्त (शनिवार) को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर की तरफ से कराई जाने वाली मालवीय प्रवेश परीक्षा-2020 (एमईटी-2020) के समंबध में समुचित पुलिस प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लखनऊ व गौतमबुद्धनगर के पुलिस आयुक्तों तथा प्रदेश के अन्य जिलों के पुलिस कप्तानों को कोविड 19 को लेकर जारी गाइडलाइन का पालन करते हुए पुलिस प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। बीएड प्रवेश परीक्षा 9 अगस्त को दो पालियों में प्रदेश के सभी 73 जिलों के 1571 परीक्षा केन्द्रों पर प्रस्तावित है। परीक्षा में पूरे प्रदेश से लगभग चार लाख पांच हजार 145 परीक्षार्थी हिस्सा लेंगे।

केन्द्रों पर भी बंटेंगे मास्क

बीएड प्रवेश परीक्षा के मद्देनजर डीएम ने केन्द्र व्यवस्थापकों और नोडल अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक की। उन्होंने बताया कि राजधानी में 82 केन्द्रों पर बीएड परीक्षा होगी और 35 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। बिना मास्क कोई अभ्यर्थी परीक्षा नहीं दे सकेगा। केन्द्रों पर 200-200 मास्क रखे जाएंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने भूलवश मास्क नहीं पहना है तो उसे केन्द्र पर मास्क दिया जाएगा।

गृह जनपद व नजदीकी जनपद में दिए गए परीक्षा केंद्र

विवि प्रशासन के मुताबिक छात्रों की साहूलियत के उनके गृह जनपद या नजदीक के जनपद में ही उनका केन्द्र बनाया गया है। परीक्षा केन्द्रों को एक दिन पहले सेनिटाइज कराया जाएगा। प्रत्येक परीक्षार्थी/कक्ष-निरीक्षक व परीक्षा से सम्बंधित हर व्यक्ति का इंफ्रारेड थर्मामीटर से तापमान नापने के बाद मास्क लगाकर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा। प्रत्येक परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों के लिए सेनिटाइजर, हैंडवॉश आदि की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए 8 व 9 अगस्त को सभी साधन चलाने की मांग की गई है।

बदलाव लाएगी नई शिक्षा नीति

वीडियो कॉन्फ्रेंस

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शिक्षा नीति पर चर्चा करते कुलपति प्रो. अलोक राय

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत परिवर्तनकारी सुधारों पर चर्चा की। इस चर्चा में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय भी शामिल हुए।

मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने नई शिक्षा नीति को अमृत बताया तो वहीं, कुलपति प्रो. आलोक राय ने लाइफ शब्द के जरिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को संक्षेप में समझाया। उन्होंने कहा कि एल-लाइफ कोचिंग, आई- इंडियान शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण, एफ-फ्लेक्सिबिलिटी, ई-एम्प्लॉयबिलिटी जेनरेशन और एस-स्ट्रक्चरल चेंज इन एजुकेशन सिस्टम है। कुलपति ने नई शिक्षा नीति एनईपी की तारीफ करते हुए कहा कि इसका छात्र केंद्रित दृष्टिकोण सबसे महत्वपूर्ण है। साथ ही शिक्षा नीति हमेशा की तरह फ्लेक्सिबल और परिवर्तनशील है, जिसमें हमेशा सुधार व बेहतरी की गुंजाइश रहती है।

लविवि:20 अगस्त तक बन जाएंगे पेपर

तैयारी तेज

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों की परीक्षा तैयारियां तेज हो गई हैं।

कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय ने सभी विभागाध्यक्षों को 20 अगस्त तक परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र तैयार करने के निर्देश दिए हैं ताकि उनकी अंतिम जांच समय से कराई जा सके। वहीं लगभग 18 विभागगों के प्रश्न पत्र तैयार होकर परीक्षा विभाग के पास आ गए हैं। इसके अलावा प्रोन्नत छात्रों की सूची भी 31 अगस्त तक जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

लविवि कोरोना संक्रमण को देखते हुए अंतिम वर्ष के छात्रों की परीक्षाएं एमसीक्यू प्रणाली पर कराने जा रहा है। परीक्षाएं सितम्बर प्रथम सप्ताह से शुरू होनी हैं। एक महीने से भी कम समय बचने पर अब परीक्षा से जुड़ी तैयारियां तेज हो गई हैं।

इसमें सबसे महत्वपूर्ण है एमसीक्यू आधारित प्रश्न पत्र तैयार करना। इसीलिए कुलपति ने सभी विभागों से 20 अगस्त तक पेपर तैयार करने को कहा है। परीक्षा नियंत्रक एमके सक्सेना ने बताया कि 15 से 20 अगस्त तक सभी विभागाध्यक्षों के प्रश्नपत्र जमा हो जाएंगे। इसके बाद इनकी जांच भी कराई जानी है।

i-NEXT PAGE 4

मेरिट से होंगे दाखिले

कोरोना संक्रमण के चलते लविवि में प्रवेश मेरिट से होंगे। छात्रों को अपने सभी अभिलेख स्वयं सत्यापित करके विवि की वेबसाइट पर 20 अगस्त तक अपलोड करने होते हैं। आवेदन 17 तक होंगे।

आवेदन का शिड्यूल

बीए, बीएससी, बीकॉम, एलएलबी 'पांच वर्षीय', बीएफए, बीजेएमसी, बीबीए, बीबीए 'आईबी', बीबीए 'एमएस' व बीबीए टूरिज्म के आवेदन 17 तक होंगे। जबकि एमएड, एमपीएड, बीपीएड, एमए व एमएससी योगा में आवेदन 24 अगस्त तक होंगे।

PIONEER PAGE 3

बीएड प्रवेश परीक्षा को लेकर डीएम ने की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बीएड प्रवेश परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने एडीसी पुलिस बृजेश कुमार गौतम, एडीएम ट्रांसगोमती विश्व भूषण मिश्रा, एसीएम पंचम सत्यम मिश्रा, डीआईओएस मुकेश कुमार सिंह एवं बीएड के नोडल कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर ध्रुवसेन सिंह तथा सह कोऑर्डिनेटर डाक्टर राजेश सिंह, डॉक्टर मनोज कुमार यादव के साथ शुक्रवार को अपने कैंप कार्यालय में बैठक की। जिसमें बीएड के प्रवेश परीक्षा से सम्बंधित विभिन्न और महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद जिलाधिकारी ने बीएड के नोडल कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर ध्रुवसेन सिंह के साथ लखनऊ के बीएड केंद्र के केंद्राध्यक्षों के साथ अपराह्न 1 बजे वीडियो मीटिंग की जिसमे 82 में से 76 केंद्राध्यक्षों से मौखिक वार्ता की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि हर केंद्र में प्रवेश के समय सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान दिया जाये और सारे परीक्षा केंद्रों का अनिवार्य रूप से समुचित सेनिटाइजेशन किया जाये। प्रवेश के समय सभी परीक्षार्थियों का थर्मल स्कैनिंग और सैनीटाईसेशन किया जाये और ये सुनिश्चित किया जाये की सभी परीक्षार्थी मास्क लगाए हों।

1089 परीक्षा केन्द्रों पर शामिल होंगे 431904 बीएड परीक्षार्थी

प्रवेश परीक्षा को बनाए गए 14 नोडल केन्द्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आगामी 9 अगस्त को प्रस्तावित राज्य स्तरीय बीएड प्रवेश परीक्षा 2020 को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रवेश परीक्षा के लिए 73 जनपदों में 1089 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केंद्रों पर 431904 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा के सकुशल संचालन को लेकर पूरे प्रदेश में 14 नोडल सेंटर के अलावा चार सब नोडल सेंटर बनाए गए हैं।

शुक्रवार को प्रवेश परीक्षा की समीक्षा के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने बताया कि कोविड.19 के कारण बदली हुई परिस्थितियों के दृष्टिगत अभ्यर्थियों की सुरक्षा हेतु सभी प्रोटोकॉल एवं निर्देशों का पूर्ण पालन कराया जा रहा है। प्रवेश परीक्षा दो पालियों में होगी। प्रथम पाली पूर्वाह्न 9 बजे से 12 बजे तक व द्वितीय पाली अपराह्न 2 बजे से 5 बजे तक होगी।

अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य का पूरा ख्याल: प्रत्येक परीक्षार्थी के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर परीक्षा कक्षों तथा फर्नीचर इत्यादि को परीक्षा के एक दिन पूर्व ही सेनेटाइज कराने की व परीक्षा के दिन, प्रत्येक परीक्षार्थी, कक्ष निरीक्षक एवम परीक्षा से सम्बंधित हर व्यक्ति का इंफ्रारेड थर्मामीटर द्वारा शारीरिक तापमान मापने के साथ ही मास्क लगाकर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश देने की व्यवस्था की गई है। अभ्यर्थियों के अंगुलियों के चिह्न लेने के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए अलग अलग डिस्पोजेबल स्ट्रिप की भी व्यवस्था की गई है ताकि किसी को दूसरे की स्पर्श की गई स्ट्रिप छूने की आवश्यक्ता न पड़े।

मुन्नाभाइयों पर नजर रखने के लिए होगा फेस डिटेक्शन सिस्टम का प्रयोग

प्रोफेसर राय ने बताया कि परीक्षा के दौरान असली परीक्षार्थी के स्थान पर दूसरे परीक्षार्थियों के बैठने की संभावना की आशंका के मद्देनजर इस बार फेस डिटेक्शन सिस्टम का प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस का प्रयोग करते हुए अभ्यर्थी के चेहरों के कुल 27 स्थानों की सूचनाओं को डिजिटल डेटा में बदलकर, इनकी चारों दिशाओं में जांच करेगा और प्रत्येक अभ्यर्थी की 13 विशिष्ट व व्यक्तिगत विशेषताओं यथा उसके बाल, चश्मा, आयु, लिंग इत्यादि को सम्मिलित कर परीक्षण करेगा। इस प्रक्रिया में कोई भी गलत व्यक्ति वास्तविक अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकेगा।

ऑडियो-वीडियो रिकार्डिंग के लिए नियंत्रण कक्ष बनाया गया

कुलपति ने बताया कि प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की गई है। जो आडियों रिकॉर्डिंग भी करेगा। राउटर भी लगाया गया है। जिसकी सहायता से पूरी परीक्षा की वेब कास्टिंग की जायेगी। इस हेतु लखनऊ विश्वविद्यालय में 100 लैपटाप युक्त एक नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। जहां से एक-एक परीक्षार्थी पर कडी नजर रखी जायेगी। साथ ही परीक्षा के समय प्रत्येक परीक्षार्थी की पहचान के लिए उसकी अंगुलियों के निशान भी लिये जायेंगे और उसके द्वारा आवेदन करते समय दिये गये अंगुलियों के निशान से इनका मिलान किया जायेगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

82 केंद्रों पर 35 हजार अभ्यर्थी कल देंगे बीएड प्रवेश परीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

सोशल डिस्टेंसिंग संग कोविड प्रोटोकॉल का रहेगा खास ख्याल

हर केंद्र की निगरानी को सीसीटीवी कैमरे, तैनात रहेंगे ऑब्जर्वर

लखनऊ विश्वविद्यालय में बनेगा मुख्य कंट्रोल रूम

गूगल मीट के जरिये केंद्र व्यवस्थापकों से बात करते डीएम।

लखनऊ। जिले में 9 अगस्त (रविवार) को 82 केंद्रों पर बीएड प्रवेश परीक्षा होगी। इसमें 35 हजार अभ्यर्थी हिस्सेदारी करेंगे। परीक्षा संचालन के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग संग कोविड प्रोटोकॉल का खास ख्याल रखा जाएगा। परीक्षा की शुचिता को कायम रखने के लिए हर केंद्र पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी रहेगी।

साथ ही हर केंद्र पर दो-दो ऑब्जर्वर भी तैनात रहेंगे। परीक्षा संचालन को त्रुटि रहित बनाने को मुख्य कंट्रोल रूम लखनऊ विश्वविद्यालय में बनाया गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने दी। वह समस्त केंद्र व्यवस्थापकों और नोडल अधिकारियों के साथ गूगल मीट के माध्यम से हुई बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सभी को निर्देश दिया गया कि समस्त केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए परीक्षा को संपन्न कराई जाए। रविवार को दो पालियों में होने वाली परीक्षा में प्रथम पाली सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 2 से 5 बजे तक होगी। निर्देश दिया कि सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों को चेक कर लिया जाए कि सभी कार्यशील हैं अथवा नहीं। 8 अगस्त को सभी परिसर, परीक्षा कक्ष एवं फर्नीचर को भली प्रकार से सैनिटाइज कर केंद्र को लॉक कर दिया जाए। प्रत्येक केंद्र पर परीक्षार्थी के मोबाइल जमा कराने के लिए लिफाफे रखे जाएं ताकि परीक्षार्थी अपना मोबाइल जमा कर सकें।

बगैर मास्क के केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक केंद्र पर दो सौ मास्क रखवाने की व्यवस्था भी रखी जाए ताकि बगैर मास्क आने वाले परीक्षार्थी को भुगतान कर मास्क दिया जा सके। बगैर मास्क के केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। सभी केंद्रों पर सिटिंग प्लान बड़े फ्लैक्स पर छपवा कर होर्डिंग की भांति लगाया जाएगा, जिसे दूर से सुगमता से पढ़ा जा सके। इसके अलावा 10 प्रतिशत अतिरिक्त कक्ष निरीक्षकों की व्यवस्था भी हर केंद्र पर रखी जाए।

82 केंद्रों पर बीएड परीक्षा, 34 हजार कैंडीडेट्स होंगे शामिल

डीएम ने गूगल मीट से केंद्र व्यवस्थापकों व नोडल अधिकारियों के साथ की बैठक

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(7 Aug): रविवार को होने वाली बीएड परीक्षा के मद्देनजर डीएम अभिषेक प्रकाश ने समस्त केंद्र व्यवस्थापकों और नोडल अधिकारियों के साथ शुक्रवार को गूगल मीट के माध्यम से बैठक की, जिसमें उनके द्वारा निर्देश दिए गए कि समस्त केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए परीक्षा कराई जाए.

मोबाइल रखने को लिफाफे की व्यवस्था हो

डीएम अभिषेक प्रकाश ने बताया कि जनपद में कुल 82 केंद्र बनाए गए हैं. सभी केंद्रों पर दो-दो आब्जर्वर लगाये गये हैं. प्रथम पाली सुबह नौ बजे से दोपहर बारह बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक होगी. इस बार जनपद लखनऊ में लगभग 35 हजार परीक्षार्थी भाग ले रहे हैं. डीएम ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों को चेक कर लिया जाए. शनिवार शाम तक परीक्षा कक्ष एवं फर्नीचर को सेनेटाइज कर केंद्र को लॉक कर दिया जाए. प्रत्येक केंद्र पर परीक्षार्थी के मोबाइल जमा कराने के लिए लिफाफे रखे जाएं ताकि परीक्षार्थी अपना मोबाइल जमा कर सकें.

प्रत्येक केंद्र पर मास्क

डीएम ने यह भी निर्देश दिए है कि प्रत्येक केंद्र पर 200-200 मास्क रखे जाएं ताकि बगैर मास्क आने वाले परीक्षार्थी भुगतान कर मास्क ले सकें. बगैर मास्क के केंद्र में प्रवेश की अनुमति नही होगी. सभी केंद्रों पर सीटिंग प्लान बड़े फ्लैक्स पर छपवा कर होर्डिंग की भांति लगाया जाएगा, जिसे दूर से सुगमता से पढ़ा जा सके. इन सब के अतिरिक 10 प्रतिशत अतिरिक्त कक्ष निरीक्षको की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी.

परीक्षाओं को लेकर आवश्यक पुलिस प्रबंध किए जाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में 8 अगस्त को एमइटी 2020 और 9 अगस्त को प्रस्तावित बीएड 2020 को सकुशल संपन्न कराने के लिए डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने जिलों के पुलिस कप्तानों को आवश्यक पुलिस प्रबंध किए जाने के निर्देश दिए हैं। मदन मोहन मालवीय प्रौद्यौगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा 8 अगस्त को एमइटी.2020 आयोजित की जाएगी। डीजीपी ने इस परीक्षा के संबंध में लखनऊ व नोएडा के पुलिस आयुक्त और आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, कानपुर, झांसी, मेरठ, गाजियाबाद, प्रयागराज, वाराणसी के पुलिस कप्तानों को कोविड 19 के दृष्टिगत जारी गाइड लाइन का अनुपालन करते हुए समुचित पुलिस प्रबन्ध करने के निर्देश दिए हैं।

वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 9 अगस्त को 2 पालियों में प्रदेश के 73 जनपदों के 1 हजार 571 परीक्षा केन्द्रों पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें लगभग 4 लाख 5 हजार 145 परीक्षार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जाना प्रस्तावित है। डीजीपी ने परीक्षा के दृष्टिगत सभी जिलों के पुलिस कप्तानों को कोविड 19 के सम्बन्ध में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी गाईड लाइन का अनुपालन कराते हुए शान्ति व यातायात व्यवस्था बनाये रखने के लिए समुचित पुलिस प्रबन्ध के निर्देश दिए हैं।

डिफेंस कॉरिडोर को लेकर सामाजिक मूल्यांकन पर रिपोर्ट तैयार करेंगे लविवि के शिक्षक

पायनियर समाचार। लखनऊ

डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण के मामले में जमीन मालिकों पर पड़ने वाले प्रभाव के सामाजिक मूल्यांकन की रिपोर्ट लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के शिक्षक तैयार करेंगे। रिपोर्ट में भूमि अधिग्रहण के चलते पुनर्वास और मुआवजे की राशि के आधार पर सामाजिक प्रभाव का भी अध्ययन करेंगे। इसके लिए सरकार की तरफ से 2 शिक्षकों को बतौर सदस्य कमेटी के रूप में शामिल किया गया है।

संसद के बनाये कानून के तहत किसी भी प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण के पूर्व जमीन मालिकों पर उस अधिग्रहण के पड़ने वाले प्रभावों के सामाजिक मूल्यांकन के लिए समाज वैज्ञानिकों की एक टीम बनाई जाती है। इसी कड़ी में समाजशास्त्र विभागए लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ पवन कुमार मिश्र और प्रोफ़ेसर अनूप भारतीय को अधिकृत किया गया है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर जो एक केंद्रीय परियोजना हैए के लिए डॉ पवन कुमार मिश्र और प्रोफेसर अनूप भारतीय को को समाज वैज्ञानिक रूप में सदस्य बनाया गया है। इससे पहले 8 जून 2020 को गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे जो गोरखपुर को आजमगढ़ के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से जोड़ेगी, के जमीन अधिग्रहण के सामाजिक मूल्यांकन के लिए निर्मित समिति में प्रो अनूप भारतीय और डॉक्टर पवन कुमार मिश्र को सदस्य बनाया गया था।

लविवि : यूजी और यूजी प्रबंधन में मेरिट से प्रवेश

इंटरमीडिएट में प्राप्त अंकों को बनाया जाएगा एडमिशन का आधार

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के हालात को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने यहां यूजी और यूजी प्रबंधन कोर्स में प्रवेश मेरिट के आधार पर लेने का निर्णय लिया है। प्रवेश समिति के निर्णय के अनुसार कक्षा 12 में प्राप्त अंकों को इसमें प्रवेश का आधार बनाया जाएगा। सभी अभ्यर्थियों को अपने आवश्यक अभिलेखों को विवि की वेबसाइट पर अपलोड करना होगा, जिससे मेरिट सूची तैयार की जा सके। जो अभ्यर्थी आवश्यक अभिलेखों की स्कैन की हुई स्वयं सत्यापित प्रतिया अपलोड नहीं करेंगे, उनको मेरिट सूची में शामिल नहीं किया जाएगा।

सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों को इंटर की मार्क्सशीट, ओबीसी के लिए इंटर की मार्क्सशीट, ईडब्ल्यूएस के लिए सरकार द्वारा जारी प्रमाण पत्र, स्व घोषणा पत्र, ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर के लिए जाति प्रमाण पत्र, 01 अगस्त के बाद जारी ये प्रमाण पत्र एससी-एसटी को जाति प्रमाण पत्र देने होंगे। विवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि उप श्रेणियों में से किसी भारण का लाभ लेने के लिए अभ्यर्थी ने आवेदन किया है तो उन्हें उपयुक्त अभिलेखों की स्कैन की हुई स्वयं सत्यापित प्रति अपलोड करनी होगी। जो अभ्यर्थी वांछित अभिलेखों को अपलोड नहीं करते हैं या जिनके अभिलेख वैध नहीं पाए जाते हैं, उन्हें भारण का लाभ नहीं दिया जाएगा। इसी तरह जिस भी श्रेणी के लाभ के लिए आवेदन करेंगे उन्हें उसका प्रमाण पत्र देना होगा। उन्होंने कहा कि यदि जांच में अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत अभिलेख गलत या कूट रचित पाए जाते हैं या अभ्यर्थी द्वारा इन अभिलेखों के द्वारा अनुचित लाभ का दावा किया जाता है। ऐसे अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने से रोक दिया जाएगा।

यूजी कोर्स के आवेदन 17 अगस्त तक

डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यूजी कोर्स बीए, बीएससी, बीकॉम, एलएलबी, बीबीए, बीएए योगा, बीबीए, बीएलएड आदि में आवेदन 17 अगस्त तक होंगे। जबकी इनके लिए डॉक्युमेंट 20 अगस्त तक अपलोड होंगे। जबकि पीजी में एमए योगा, एमएससी योगा, एमएड, एमपीएड, बीपीएड में आवेदन 24 अगस्त तक होंगे।

योग विषय में निरंतर शोध वर्तमान समय की जरूरत

लखनऊ। योग भारतीय परंपरा की अमूल्य धरोहर है। भारतीय योग को अपनाकर स्वास्थ्य, भाईचारा तथा जीवन चेतना एवं राष्ट्र चेतना का विकास किया जा सकता है। वर्तमान समय की आवश्यकता है कि योग विषय में निरंतर शोध किया जाए तथा भारतीय वेदों, पुराणों, उपनिषदों में निहित योग के वर्णन से जन साधारण को परिचित किया जाए। ये कहना है पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीपी सिंह का। वे अपने व लविवि के शिक्षक डॉ. अमरजीत यादव द्वारा रचित पुस्तक 'योग का दार्शनिक एवं वैधानिक विमर्श' के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। लविवि के प्रशासनिक भवन के कमेटी कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लविवि में योग एवं अल्टरनेटिव मेडिसिन संकाय की स्थापना कि गई है, जिसमे स्नातक से लेकर पास्नातक तक का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह पुस्तक योग के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

एनईपी का छात्र केंद्रित दृष्टिकोण लाभदायक

माई सिटी रिपोर्टर

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल कुलपति व अन्य।

लखनऊ। नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत परिवर्तनकारी सुधारों पर चर्चा करने के उद्देश्य से आयोजित सम्मेलन को शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। इस कार्यक्रम में देश भर के एक दर्जन विश्वविद्यालय सहभागी बने, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय भी शामिल था। सम्मेलन को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने भी संबोधित किया। प्रो. राय ने एलआईएफईएस के माध्यम से नई शिक्षा नीति को संक्षेप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि एनईपी का मतलब लाइफ कोचिंग, 'आई-इंडियन शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण